**परिपत्र क्रमांक: 2017/1 1 जनवरी, 2017**

 **समस्त सदस्यों के लिए**

**नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ**

नववर्ष मानव इतिहास की सबसे पुरानी पर्व परंपराओं में से एक है जिसे विश्व के प्रत्येक कोने में अलग अलग विधियों में उत्सव की तरह आनंद एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वर्ष परिवर्तन हमें एक अवसर प्रदान करता है कि हम बीते वर्ष का ईमानदारी से मूल्यांकन करें, आत्मवलोकन करें, अपनी सफलतायों का जश्न मनाए, अपनी गलतियों से सबक सीखें तथा नव वर्ष का स्वागत नए संकल्प, नए जोश और नए लक्ष्यों के साथ करें ताकि हम चुनौतियों का सामना करते हुए इस संसार को बेहतर एवं खुशनुमा बना सकें।

वर्ष के अंतिम दिन अर्थात **31** दिसंबर **2016** को कॉमरेड डीपीएस छाबड़ा की  बैंक सेवा से सेवा निवृत्ति के उपरांत तथा  भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ,  चंडीगढ़ मंडल के महासचिव पद से कार्य मुक्त होने के पश्चात, भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, चंडीगढ़ मंडल की कार्यकारी समिति ने मुझे महासचिव के रूप में तथा कामरेड सुशील कुंदरा को मंडल प्रधान के रूप में नई जिम्मेदारी  प्रदान की है।  हम इस जिम्मेवारी को सहर्ष स्वीकार करते हुए वचन देते हैं कि हम पूर्ण समर्पण, कार्यनिष्ठा, एकजुटता तथा ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे तथा अपने साथियों के बेहतर भविष्य के लिए, उनके न्यायोचित हकों  की रक्षा के लिए अथक प्रयास करते हुए भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, चंडीगढ़ मंडल को एक सशक्त संगठन के रूप में प्रतिस्थापित करेंगे।  अपने प्रयासों में सफल होने के लिए हमें सभी सदस्यों के योगदान,  सहयोग तथा मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। कोई भी संगठन तभी सफलता हासिल कर सकता है जब उसके सदस्य मानसिक, शारीरिक, आर्थिक तथा भावनात्मक रूप में संगठन के साथ जुड़ाव रखते हों और हमारे लिए तो बहुत ही संतोष एवं गर्व कि बात है कि हमारे  साथियों में संगठन के प्रति जुड़ाव एवं समर्पण का ऐसा अनूठा सांमजस्य है जिसका उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है।

भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ आरंभ से ही राष्ट्र   को प्रथम,  संगठन   को दूसरे तथा व्यक्ति  को अंतिम स्थान पर रखने वाले राष्ट्रीय संदेश की अनुपालना करता रहा है। राष्ट्र के विकास के लिए सरकार द्वारा चलाई गई सभी योजनायों को हमारे सदस्यों ने रात दिन कार्य कर सफल बनाया है। लगभग दो माह पूर्व  भ्रष्टाचार तथा काले धन पर अंकुश लगाने के लिए नोटबंदी के रूप में सरकार ने एक बेहद ही साहसिक कदम उठाया और इस राष्ट्रीय कार्य में हमारे बैंक के कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने जिस निष्ठा के साथ रात दिन कार्य किया है वह बेमिसाल है और उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए,  वह कम है।  नववर्ष की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संदेश में माननीय प्रधानमंत्री ने बैंक कर्मचारियों–अधिकारियों द्वारा विषम परिस्थितियों में किए गए कार्य की भरपूर सराहना की है। हमारे अधिकारी व कर्मचारी जिस प्रकार अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए विषम परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं, हम भली भांति अवगत हैं। आपके  संयम, परिपक्व व्यवहार, निष्ठा तथा अनुपम सराहनीय कार्य ने पूरे संसार में भारतीय स्टेट बैंक की राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका को स्वीकार करने के लिए बाध्य कर दिया है। हमें अपने प्रिय बैंक को इसी तरह नैतिक मूल्यों की अनुपालना करते हुए व्यवसाय के प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर रखना है। किसी भी तरह के भ्रष्टाचार व अनैतिक कार्य पर अंकुश लगाने के लिए हमारे बैंक ने व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी को प्रतिस्थापित किया है और हम सभी का यह दायित्व बनता है कि हम बैंक हित रक्षा में तत्काल इस तरह की घटनाओं को उजागर करें।

हमारा यह मानना है कि अत्याचारी से बड़ा अपराधी वो होता है जो चुपचाप अत्याचार को सहन करता है।अत: दुर्व्यवहार, अत्याचार व अमर्यादित व्यवहार के विरुद्ध हमें अपनी आवाज को बुलंद करना है। मेरा सभी साथियों से विनम्र आग्रह है कि इस तरह की परिस्थितियों के मूकदर्शक न बने तथा अधिकारी वर्ग के आत्म सम्मान व मर्यादा की रक्षा के लिए एकजुटता का परिचय दे।

नव वर्ष पर हम यह संकल्प लेते हैं कि चंडीगढ़ मंडल को व्यवसाय के प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए, भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, चंडीगढ़ मंडल के सदस्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण, ईमानदारी तथा पारदर्शिता से कार्य करेंगे तथा राष्ट्र  एवं बैंक के हितों के विरुद्ध कार्य करने वालों को बेनकाब करेंगे।  ग्राहक **हमारे बैंक के लिए** भगवान के समकक्ष है और व्यवसाय बढ़ाने के लिए उसको गुमराह करने, भ्रमित करने अथवा मजबूर करने जैसे किसी भी अपराध में हम भागीदार नहीं बनेगे।

हर नया साल उम्मीदों की नई किरणों को लेकर आता है और उम्मीदों के ऊपर  जीवन का ठहराव होता है। मैं अपनी ओर से तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ चंडीगढ़ मंडल की केंद्रीय समिति की ओर से आप को तथा आपके परिवार को नववर्ष की शुभकामनाएं देता हूं। आइए आज हम  वचन ले कि हम अपने ईमानदार प्रयासों से अपने देश, अपने बैंक तथा अपने संगठन को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे।

क्रांतिकारी शुभकामनाओं सहित,

(दीपक शर्मा)

महासचिव